

मराठा (1627-1680)

- मराठो के पूर्वज राजस्थान के सिसोदिया वंश के सूर्यवंशी राजपूत थे।

शिवाजी

- पिता : शाहजी, माता : जीजाबाई, गुरु : कोण्डदेव, रामदास (आध्यात्मिक गुरु), पत्नी : ताराबाई
- जन्म : पुना शिवनेर (20 अप्रैल, 1627)
- पहाड़ी चुहा, गुरिला युद्ध पद्धति का जनक।
- 1657 औरंगजेब से मिले, 1664 सूरत लूटे
- साइस्ता खान तथा अफजल खान
- 1665 जयसिंह (पुरंदर की संधि) 23/35
- शम्भाजी मुगल दरबार (पनहाला का किला)
- 1666 आगरा जयपुरी महल कैद, 1670 भाग गये (फिर सूरत लुटे)
- 1674 गंगा भट्ट (काशी) रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक
- जजिया कर का विरोध, राजा की उपाधि (औरंगजेब)
- अंतिम युद्ध कर्नाटक
- 12 अप्रैल, 1680 मृत्यु

राजा राम (अगला शासक)

- शम्भाजी
- अकबर द्वितीय को संरक्षण, शम्भाजी का निर्मम हत्या औरंगजेब द्वारा (खाल उधेर कर भुसा)
- राजा राम पुनः शासक, शीघ्र मृत्यु
- शिवाजी द्वितीय (अगला शासक), ताराबाई संरक्षिका
- साहुजी (अंतिम क्षत्रपति)
- पेशवा के पास (मराठा शक्ति)
- पेशवा बाजीराव
- मराठा सैन्य व्यवस्था-पुर्तगालियों से 200 तोप खरीदा, कुलावा में नौ सेना का गठन, घुड़सवार (बलगीर-स्थायी, सिलहदार-अस्थायी)
- टैक्स (सरदेशमुखी : अपने साम्राज्य, चौथ-पड़ोसी)

मराठा प्रशासनिक व्यवस्था

- मंत्री-अष्टप्रधान, सबसे बड़ी ईकाई - छत्रपति, पेशवा-प्रधानमंत्री, गायकवार-अमात्य, सरी-ए-नौवत - सैन्य विभाग, सुमंत - विदेश विभाग, पिटनिश - पत्राचार, वाक्यानविस - गुप्तचर (संधि), पंडित राव - धार्मिक मामला, दंडनायक - न्यायाधिश

पेशवा का काल (1713 - 1811)

- पेशवा वंशानुगत था। इसका निवास पुणे था।
- 1. बालाजी विश्वनाथ-फरुखसियर (1717) मैगनाकार्टा
- 2. बाजीराव-I - लड़ाकू, गुरिल्ला

- 1728 हैदराबाद (निजाम) - मुंशी शिव गाँव
- बाजीराव-I - छत्रपति शाहुजी → आओ इस पुराने वृक्ष के जड़ों पर वार करें शाखाएँ तो स्वयं गिर पड़ेगी, शाहुजी→निःसंदेह आप एक योग्य पिता के योग्य पुत्र हो, मराठा पताका (अटक से कटक)
- 1737 → 500 घुड़सवार मो. शाह पर आक्रमण, दिल्ली लूट, संधि - 5 लाख प्रति वर्ष (विदेश आक्रमण में मदद)
- 1739→दिल्ली पर नादिरशाह का आक्रमण (बाजीराव ×)
- पुर्तगालियों से साल्सेट तथा वासीन
- मस्तानी

- बड़ौदा - गायकवाड़
 - पुना - पेशवा
 - नागपुर - भोसले
 - इंदौर - होल्कर
 - ग्वालियर - सिंधिया

बालाजी बाजीराव (1740 - 61)

- नाना साहब (मराठा का दूसरा संस्थापक)
- 1749 छत्रपति शाहुजी की मृत्यु, संगोली की संधि (छत्रपति का पद समाप्त), 1752 (झलकी की संधि-हैदराबाद के निजाम मराठों की अधिनता स्वीकार)
- 14 Jan, 1761 - अहमदशाह अब्दाली-मराठा पानीपत का तृतीय युद्ध, मराठों का पराजय, बालाजी बाजीराव का Hard Attack
- सिडनी ओपेन- पानीपत का तृतीय युद्ध यह सिद्ध नहीं कर सका की भारत में किसका शासन होगा लेकिन यह जरूर सिद्ध कर दिया। भारत में किसका शासन नहीं होगा।

माधव नारायण राव (1761 - 72) - योग्य पेशवा, खोई शक्ति वापस, दिल्ली-शाह आलम -II गद्दी

नारायण राव- छोटा कार्यकाल, रघुनाथ द्वारा हत्या

माधव राय -II (1773 - 1795)- अल्पआयु, बारभाई परिषद

- 1775 (रघुनाथ राव - अंग्रेज, सूरत की संधि, सालसेट वसीन गिफ्ट)

बाजीराव -II - अंतिम पेशवा

प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध - 1778 - 1782

- अध्यक्ष - महादजी सिंधिया - सालाबाई की संधि द्वारा समाप्त

द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध (1803 - 1806)

- वासिन की संधि, पेशवा बाजीराव -II अंग्रेजों की अधिनता स्वीकार

तृतीय आंग्ला मराठा युद्ध- पुणे की संधि

- पेशवा बाजीराव -II का पेशन बंद

- तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध के बाद हुयी संधियां-

क्षेत्र	प्रशासक	सन्धि
(1) पुना	पेशवा	पुना की सन्धि
(2) नागपुर	भोसले	नागपुर की सन्धि
(3) इन्दौर	होल्कर	मंदसौर की सन्धि
(4) ग्वालियर	सिंधिया	ग्वालियर की सन्धि

- अंतिम पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहब थे जिनका पेशन अंग्रेजों ने बंद कर दिया अतः उन्होंने 1857 का विद्रोह में भाग लिया।
- मराठों की टुकड़ी को पिण्डारी कहते थे, पिण्डारी का अन्त हेस्टिंग्स ने किया।